RAMBHA GROUP OF INSTITUTION

विद्यैव सर्वधनम्

GITILATA, JAMSHEDPUR

ISO Certified 9001:2015

आरंभ

MULTILINGUAL E-MAGAZINE

ISSUE : AUGUST 2024

Published By:

RAMBHA GROUP OF INSTITUTION

CHAIRMAN MESSAGE

I have great pleasure to know that the students of Rambha group of Institution is bringing out second edition of E magazine AARAMBH 2024.
Bringing out a magazine is not an easy task, but it is a venture of the combined efforts of students and teachers. “Ambition, Planning, Hard work and Courage are the key for the success.
“Let the mind be cheerful but calm.” Never let it run in to excesses, because every excess will be followed by reaction” . I wish a great success to the each writers of this E magazine .

Ram Bachan (Chairman, Rambha group of Institution)

SECRETARY MESSAGE

I am very happy to know that E-magazine Aarambh 2024 is being published by Rambha Group of Institution.
The views of Teachers and students have been presented in this magazine with a holistic manner. With this publication, our teachers and students will get opportunity to understand and test each other’s views.
I personally wish all the teachers and students associated with this E magazine’s Aarambh 2024 successful publication.
My heartfelt congratulations for their commendable efforts and wish everyone a bright future.

Gourav Bachan (Secretary, Rambha group of Institution)

JOINT SECRETARY MESSAGE

Education is complete only when it develops various skills in our students. Completing the syllabus, taking exams, along with all these things, creative skills, thinking ability and writing-reading skills should also be developed, only then they will be able to make an excellent contribution in the field of teaching in future and make their own identity. For this, many types of activities keep happening in the college, one of which is the creation of E college magazine. This is the second edition of e-magazine Aarambh and I wish everyone all the best. It is expected that this series continues in the future as well.

Vivek Bachan (Joint Secretary, Rambha group of Institution)

PRINCIPAL MESSAGE

Greetings to All.
The present times are the times of technological advancements with the usage of latest gadgets . Keeping up with the demand of techno - time, we are presenting the Second Edition of E- Magazine Aarambh 2024 . This magazine is showcases of the expression and views of our faculty members and students .
We would be coming up with the Magazine at regular intervals. I am sure that this periodical effort will keep vou updated with the efficscy of the Rambha group of institution.

Dr. Kalyani Kabir

विद्याधनम् सर्वधन प्रधानम्

विद्या शब्दस्य अर्थः ज्ञानम् (विद्या शब्द का अर्थ है ज्ञान)। विद का अर्थ है, विद्या का अर्थी अर्थात जानने की चाह रखने वाला । इस प्रकार विद्या का अर्जन (विद्यार्जन) को ही मुख्य लक्ष्य बनाकर चलने वाला अध्येता (अध्ययन करने वाला) विधार्थी कहलाता है । विद्याध्ययन का काल सबसे पवित्र काल माना जाता है, क्योंकि विद्या को अर्जित करने वाला अपने शारीरिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक जीवन की सफलता की आधारशिला इसी समय रखता है , विद्याध्ययन एक तपस्या है, और तपस्या के बिना समाधि, समाधि के बिना चित्त की एकाग्रता सम्भव नहीं है ।

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम् ।
सुखार्थी वा त्वजेद विद्या था त्यजेद् सुखम् ॥

अर्थात सुख की इच्छा रखने वाले को विद्या कहाँ, और विद्या की इच्छा रखने वाले को सुख कहाँ? सुख की इच्छा रखने वाले को सुख की कामना छोड़ देनी चाहिए। विद्या ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को हमेशा, हर समय अर्थात् विद्यालय परिषद् या किसी भी जगह अनुशासन में रहना चाहिए। अनुशासन शब्द का अर्थ है कि बड़ों (गुरूजनों, श्रेष्ठ लोगों) की आज्ञा (शासन) के पीछे चलना अनुशासन कहलाता है। अनुशासन में रहने छात्र या मनुष्य को सफलता की राह मिलती है। विद्या ग्रहण करने का अर्थ 'सादा जीवन उच्च विचार' अर्थात् प्रगति के लिए जीवन में उच्च विचार रखकर आगे बढ़ सकता है, यही भारतीय संस्कृति का सर्वोच्च मूल्य है।

डॉ. भूपेश चंद , असिस्टेंट प्रोफेसर, रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गीतिलता

आपदा प्रबंधन

आपदाएं प्राकृतिक या मानव जनित हो सकती हैं। यह मानव जीवन संपत्ति और पर्यावरण को प्रभावित करती है। आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए आपदा प्रबंधन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है ।इसमें आपदाओं की जोखिम का मूल्यांकन तैयारी प्रतिक्रिया और पुनर्निर्माण शामिल है। आपदा प्रबंधन का उद्देश्य आपदाओं के प्रभाव को कम करना जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देना है। इसमें सामुदायिक जागरूकता, शिक्षा तैयारी प्रतिक्रिया और पुनर्निर्माण शामिल है । आपदा प्रबंधन एक सतत प्रक्रिया है जिसमें हमें निरंतर तैयारी करनी चाहिए। आपदा एक प्रकार की बड़ी समस्या है या संकट है जिसे रोक पाना बहुत ही मुश्किल है। आपदा कुछ समय के लिए ही होती है लेकिन इतने से समय में ही यह जीवन और संपत्ति को बड़े पैमाने पर नुकसान कर देती है। आपदा प्रबंधन प्राकृतिक या मानव निर्मित हो सकती है जैसे भूकंप , तूफान, चक्रवात ,सुनामी, बाढ़ ,सूखा, बिजली गिरन, जंगलों में आग लगना तथा आतंकवाद दंगे और कोरोना महामारी मानव निर्मित होती है। 2020 में फैली तेजी से कोरोना महामारी पर चर्चा करें तो यह एक मानव निर्मित है जो चीन से उत्पन्न हुई थी। आज भी इसकी बुरी स्मृति बनी हुई है। इसे भी चिकित्सीय प्रबंधन से ही काबू किया गया।

डॉ . सतीश चन्द्र, असिस्टेंट प्रोफेसर, रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गीतिलता

योग और ध्यान

योग और ध्यान को अक्सर विश्राम का एक अच्छा स्रोत माना जाता है क्योंकि वे रक्तचाप को कम करने के साथ-साथ हार्मोंस विनियमन में सहायता करते हैं। इसके अतिरिक्त दैनिक रूप से छात्र एक बेहतर प्रतिरक्षा प्रणाली प्राप्त कर सकते हैं। इससे एक स्वस्थ शरीर प्राप्त होता है। योग और ध्यान मानसिक दबाव को कम करके अच्छे स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह न केवल छात्रों को शैक्षणिक जीवन में बल्कि उनके सामाजिक जीवन में भी समस्याओं को हल करने के लिए फायदेमंद है। यह छात्रों के बीच तनाव को कम करता है जिससे वह अपने शैक्षणिक जीवन में बाधाओं को बेहतर तरीके से दूर कर सकते हैं।

डॉ. दिनेश कुमार यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गीतिलता

स्त्रीत्व और आधुनिकता

स्त्री अपन स्त्री गुण जेना मातृत्व, स्नेह, सहानुभूति, सहिष्णुता, दयालुता, क्षमा, विनम्रता, प्रेम, आ संतोष सँ परिवार कैं पोसैत अछि आ निर्वाह करैत अछि। आधुनिकता के युग में महिला अपन पहचान, समानता के अधिकार, विचार के स्वतंत्रता के प्रति जागरूक आ संवेदनशील भ रहल छैथ आ आर्थिक रूप स मजबूत भ रहल छैथ। स्त्रीत्व गुण के कारण काम के दुनिया के हर क्षेत्र में पुरुष के तुलना में अधिक सफल दावा आरू भागीदारी द रहलऽ छै, जबकि दोसरऽ तरफ पारिवारिक पृष्ठभूमि में यही गुण स समझौता करी रहलऽ छै, जकर कारणैं परिवारक समीकरण सेहो बदलि रहल अछि। परिवार या त एकल बनि रहल अछि या एकल माँ या एकल पिता के रूप मे परिवार बनि रहल अछि। एतेक धरि जे मातृत्वक संग समझौता सेहो क' रहल अछि। ई एकटा एहन विषय अछि जाहि पर समाज के चिंतनशील आ जागरूक रहय के जरूरत अछि.।

डॉ. सुमन लता, व्याख्याता, रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गीतिलता

THOUGHTFUL EVOLUTION

The phrase describes a systematic, attentive, and introspective process of growth and change. This suggests that when we make changes as a society, as individuals, or in our own ideas, we carefully weigh the pros and cons. We begin to comprehend the significance of light glints, flower scents, cloud echoes, wind gusts, etc. through our mental process.Focusing more on positive thoughts will benefit mankind and the world as a whole.Making deliberate, thoughtful adjustments that are consistent with our values and purposes is a necessary part of making thoughtful progress in life.Self-reflection, being open to learning from experiences, and having the courage to make changes while sticking to our core values are all essential to this process.If we want to live a more satisfying and authentic life, our character, daily routine and thinking must be constantly improving. In the context of personal development, conscious growth involves actively reflecting on one's beliefs, motives, and actions, and making conscious decisions to change the direction one wishes to take. It can be used to explain how thoughtful policies and cultural changes help communities or civilizations advance in society.

Dr. Ganga Bhola, Assistant Professor, Rambha College of Education

THE FUTURE OF NURSING: HOW AI IS REVOLUTIONISING PATIENT CARE.

Artificial Intelligence is assured to revolutionise the field of nursing, transforming how patient care is delivered. As healthcare evolves, AI is empowering nurses to deliver more efficient, accurate and personalised care. AI driven tools, such as predictive analytics, machine learning, algorithms, and natural language processing, are enabling nurses to anticipate patient needs. These technologies can assist in early diagnosis, monitor patient conditions in real-time, and even predict potential complications before they arise, thus improving patient outcomes. Moreover, AI is alleviating some of the administrative burdens on nurses, allowing them to focus more on direct patient care. The integration of AI in nursing comes with challenges, including the need for adequate training, addressing ethical concerns, and ensuring the protection of patient data. As the technology continues to evolve, nurses must adapt to these changes, embracing continuous education and developing new skills to work alongside AI systems effectively.

Rishali, Assistant Professor, Rambha College of Nursing

राष्ट्र सर्वप्रथम

नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे त्वया हिन्दुभूमे सुखं वर्धितोहम्। महामङ्गले पुण्यभूमे त्वदर्थे पतत्वेष कायो नमस्ते नमस्ते।। राष्ट्र एकं राजनैतिकं एककं यत्र राज्यं, कस्यचित् प्रदेशस्य अन्तः जनसंख्यायाः उपरि शासनं कुर्वन् केन्द्रीकृतराजनैतिकसङ्गठनम्, राष्ट्रं, सामान्यपरिचयस्य आधारेण आधारितः समुदायः च सङ्गताः भवन्ति ।राष्ट्रं एकः विशालः प्रकारः सामाजिकसङ्गठनः अस्ति यत्र भाषा, इतिहासः, जातीयता, संस्कृतिः, प्रदेशः वा समाजः इत्यादिषु दत्तजनसंख्यायां साझाविशेषतानां संयोजनात् सामूहिकपरिचयः, राष्ट्रियपरिचयः उद्भूतः अस्ति । हिन्दुस्तान इति स्वीकृतः भारतः विश्वस्य बृहत्तमः लोकतन्त्रः इति गर्वेण तिष्ठति । अस्य अर्थः अस्ति यत् भारतस्य जनानां स्वनेतृणां निर्वाचनस्य बहुमूल्यः अधिकारः अस्ति, येन भारतं लोकतान्त्रिक सिद्धान्तेषु मूलभूतं राष्ट्रं भवति तथा च धर्मनिरपेक्षं भवति। भारतस्य एकं विलक्षणं वैशिष्ट्यं तस्य "विविधतायां एकता" अस्ति, यत्र विविधसांस्कृतिकपृष्ठभूमिकानां जनाः, भिन्नभाषाभाषिणः, सामञ्जस्यपूर्वकं सह-अस्तित्वं कुर्वन्ति । भारतं "राष्ट्रं प्रथमं, सर्वदा प्रथमं" इति विषयेण स्वातन्त्र्यस्य 76 वर्षाणि आचरति। आजादी का अमृत महोत्सव' प्रगतिशीलभारतस्य 76 वर्षाणां स्वातन्त्र्यस्य, तस्य जनानां, संस्कृतिस्य, उपलब्धीनां च गौरवपूर्ण-इतिहासस्य उत्सवस्य स्मरणार्थं च भारतसर्वकारस्य उपक्रमः अस्ति । भारतस्य समृद्धः गहनः च इतिहासः संस्कृतिः च अस्ति, या अस्य अन्वेषणं कुर्वन्तं कञ्चित् मनः आकर्षितुं शक्नोति । अयं देशः सांस्कृतिकवैविध्यस्य, मनोहरभोजनस्य, आतिथ्यस्य च निवासिनः कृते प्रसिद्धः अस्ति । भारतः स्वजनानाम् हृदयेषु विशेषं स्थानं धारयति। अस्माकं समृद्धा संस्कृतिः, स्वादिष्टं भोजनं, आकर्षकः इतिहासः च।

जयश्री पंडा, डी एल एड इंचार्ज, रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गीतिलता

पर्यावरण और मानवीय संबंध

धरती पर मनुष्य का जन्म प्रकृति की ओर से एक सुंदर उपहार है, चाहे वह छोटे से छोटा एक कोशिकीय जीव हो या अत्यधिक बुद्धिमान व्यक्ति। एक व्यक्ति के पूरे जीवन में अर्थात् गर्भ में उसके विकास से लेकर उसके मरने तक उसका कल्याण, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से पर्यावरण पर निर्भर करता है, जैसे पर्यावरण हमें सांस लेने के लिए हवा, जल उपयोग के लिए पानी और पोषण एवं ऊर्जा के लिए भोजन आदि आवश्यक तत्व प्रदान करता है। इससे हमारी सभी ज़रूरतें पूरी होती हैं। हमारा सम्पूर्ण जीवन, समृद्धि और सांस्कृतिक विरासत पर्यावरण पर निर्भर है, लेकिन अज्ञानता और भेदभाव ने इसे काफी नुकसान पहुंचाया है।इसलिए मनुष्यों को पर्यावरण पर अपने प्रभाव को कम करने के लिए अधिक सोच-समझकर और सावधानी से कार्य करना चाहिए। स्वस्थ पर्यावरण हेतु भूमि के 33% क्षेत्र पर वन होने चाहिए, किंतु जनसंख्या वृद्धि होने के कारण इस क्षेत्र में कमी आई है। परिणामस्वरूप अब तक एक स्वस्थ पर्यावरण नहीं बन पाया है इसलिए वृक्षारोपण के कार्यक्रमों को प्रबल रूप से बढ़ावा दिया जाना चाहिए । जब वनों का विकास होगा तो जंगली जीवों को स्वयं ही संरक्षण मिल जाएगा ।v

रश्मि लुगुन, व्याख्याता, रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गीतिलता

TELEMEDICINE'S NEXT FRONTIER: TRANSMOGRIFY POSTOPERATIVE CARE IN MEDICAL-SURGICAL NURSING

Telemedicine act as revolutionary tool in a new era of postoperative care within medical-surgical nursing, Provides innovative solutions for several problems. Mainly in remote areas, where the experienced medical personnel cannot always present physically over there and give their expert opinion for particular problem, there telemedicine help nurses in patient monitoring ,track vital signs, assess wound healing and recovery process as well as early detection of complication for any postop patient, Furthermore, virtual consultation and follow up will help patient's minimal hospital visit. Telemedicine not only increases patient satisfaction but also decreases hospital acquired infection. Nurses can also provide health education and preventive care through it. As the adaptation of telemedicine increases in medical-surgical nursing, it elevate the quality of care, making the care more efficient and patient centered.

Monisha Santra, Assistant Professor, Rambha College of Nursing

लुप्त होती आलोचनात्मक चिंतन करने की कला : एक विश्लेषण

वर्तमान युग में, जहाँ जानकारी की भरमार है और डेटा का प्रवाह अत्यधिक है, वहाँ सोचने की कला का धीरे-धीरे लुप्त होना एक गंभीर समस्या बन चुकी है। "संगठित और तार्किक सोच" जिसे हम "क्रिटिकल थिंकिंग" के नाम से जानते हैं। यह एक प्रकार की मानसिक प्रक्रिया है जो हमें तथ्यों का विश्लेषण, विचारों की तुलना और निष्कर्ष तक पहुंचने में सहायता करती है। परंतु आज के समय में इस कला की कमी स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। आज के डिजिटल युग में, जहां सूचना की अधिकता है, हमें तुरंत उत्तर मिल जाते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि वह सूचना सही या संपूर्ण है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर फैलाई जा रही अधूरी और पक्षपाती जानकारी ने लोगों की सोचने की क्षमता को प्रभावित किया है। लोग अक्सर बिना पूरी जानकारी के या बिना सोचे-समझे पोस्ट, ट्वीट और टिप्पणियाँ कर देते हैं। शिक्षा प्रणाली में भी क्रिटिकल थिंकिंग को प्रोत्साहित करने की कमी दिखाई देती है। पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियाँ अक्सर तथ्यात्मक जानकारी तक ही सीमित रहती हैं और छात्रों को विश्लेषणात्मक और तर्कसंगत सोच को प्रोत्साहित करने पर कम ध्यान दिया जाता है।इसके परिणामस्वरूप, विद्यार्थी केवल रटने की प्रक्रिया में संलग्न रहते हैं,जिससे उनके विश्लेषणात्मक कौशल विकसित नहीं हो पाते। समाज और सांस्कृतिक मान्यताएँ भी सोचने की कला पर असर डालती हैं। पारंपरिक सोच और पूर्वाग्रहों के कारण लोग अक्सर नई विचारधाराओं और दृष्टिकोणों को स्वीकार करने में संकोच करते हैं। यह मानसिकता उन्हें स्वतंत्र और आलोचनात्मक सोचने में बाधित करती है।

क्रिटिकल थिंकिंग को पुनर्जीवित करने के लिए, शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है। पाठ्यक्रम में सोचने की क्षमता और विश्लेषणात्मक कौशल को शामिल किया जाना चाहिए। इसके अलावा लोगों को विभिन्न स्रोतों से जानकारी प्राप्त करने और उसकी सत्यता की जांच करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। समाजिक और सांस्कृतिक मान्यताओं के प्रति खुलापन और आलोचनात्मक दृष्टिकोण को अपनाने से भी इस कला को पुनर्जीवित किया जा सकता है। अंततः, सोचने की कला का पुनर्निर्माण और उसके प्रति जागरूकता हमारी सामूहिक समझ और बुद्धिमत्ता को एक नई दिशा प्रदान कर सकती है। क्रिटिकल थिंकिंग केवल एक मानसिक कौशल नहीं है, बल्कि यह हमारी सोचने की प्रक्रिया और समाज में हमारी भूमिका को भी परिभाषित करता है। इसके पुनरुद्धार के लिए व्यक्तिगत, शैक्षिक और सामाजिक प्रयासों की आवश्यकता है, ताकि हम एक जागरूक और सोचने में सक्षम समाज का निर्माण कर सकें।

अमृता सुरेन, व्याख्याता, रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गीतिलता

अभ्यास शिक्षण एवं सुझाव

सोना आग में तप कर ही कुंदन बनता है। ठीक उसी तरह एक छात्र अध्यापक भी अभ्यास शिक्षण सत्र के दौरान एक पेशेवर शिक्षक के गुणों और कौशलों को प्राप्त करता हैं।

1. अभ्यास शिक्षण के समय छात्र को सक्रियता बनाए रखनी चाहिए अर्थात जो उसने सीखा है, उस पर बात करना , लिखना व चिंतन करना आवश्यक हैं ।
2. सीखे गए तथ्यों को पिछले अनुभव से जोड़ना और व्यावहारिकता प्रदान करना ।
3. कौशलों का निरंतर अभ्यास करना व समय-समय पर आकलन करना ।
4. मौजूदा शिक्षकों के व्यवहारों का अवलोकन करना और अपने व्यवहार में इस गंभीरता को लाना ।
5. अपने विषय का अध्ययन करना और उस में दक्षता प्राप्त करना।
6. छात्र अध्यापक को अपने विषय को रुचिकर बनाने की कला आनी चाहिए, ताकि वह बच्चों को खेल-खेल में ज्ञान निरूपित कर सके।
7. एक अनुशासित मानव सभ्य जीवन को जीता है। इसलिए छात्र अध्यापक को स्वअनुशासित होना चाहिए ।
8. अभ्यास शिक्षक के समय छात्रों को अपने शिक्षकों, सह शिक्षकों से समय-समय पर प्रतिपुष्टि लेनी चाहिए ताकि वह अपनी कमियों को दूर कर सके ।
9. छात्र अध्यापक को अपने विषय के अलावा सामाजिक, आर्थिक ,पर्यावरण तथा नैतिक मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए और देश-विदेश के वर्तमान मामलों से रूबरू होना चाहिए ।
10. इतिहास किसी भी सभ्यता और परंपराओं को समझने में मददगार होता है अतः छात्र अध्यापक को अपने छात्रों को इतिहास में रुचि लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि वह अपने अस्तित्व के होने का मूल कारण समझ सके एवं अपने सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित कर सके ।

शीतल कुमारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गीतिलता

TECH-SAVVY TEACHER

To become a tech-savvy teacher set aside time to learn and explore new technologies. Familiarize yourself with educational software, apps, and tools that align with your curriculum—practice using digital whiteboards, online collaboration platforms, and multimedia resources to enhance your lessons.

Develop a growth mindset, embracing challenges and seeking support from colleagues and online communities. Stay updated on the latest educational technology trends and best practices through webinars, workshops, and conferences. Also, Integrate technology meaningfully into your teaching, using it to facilitate student-centered learning, promote critical thinking, and encourage creativity. Be willing to experiment and adapt to new tools and methods.

Finally, model digital citizenship and responsibility for your students, demonstrating how to use technology effectively and safely. Becoming a tech-savvy teacher will enhance your teaching practices, increase student engagement, and prepare your students for success in a rapidly changing world.

Teachers can become tech-savvy by working on some important points like- Connecting with other educators through online forums, social media, or professional development opportunities, enhancing their skills through structured training and certification programs, and regularly reading education technology blogs, articles, and news to stay informed, Align technology use with learning objectives and pedagogical approaches.

Remember, becoming tech-savvy is a continuous process. Start with small steps, and you'll become more confident and effective in using technology to support your teaching and student learning.

Suraj Kumar, Lecturer, Rambha College of Education

झारखंड की संस्कृति और परंपरा

कहते हैं मनुष्य आदिम युग से ही कला प्रेमी रहा है। भाषा ज्ञान के साथ ही उसमें कला भी आई। प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ होने के कारण ही वह स्वयं को सजाता संवारता रहा। किसी क्षेत्र की कला-संस्कृति उस क्षेत्र का दर्पण होता है, जिसमें लोगों की मानसिक स्थिति व सोच परिलक्षित होती है। देश के मानचित्र पर विविध संस्कृति, जंगल और खनिज की प्रचुरता के रूप में अपनी पहचान सुनिश्चित करने वाले झारखण्ड राज्य की गोद में आदिकाल से कला-संस्कृति को संरक्षण मिल रहा है। इसी संरक्षण और पोषण की प्रक्रिया ने प्राचीन कला संस्कृति

को विस्तृत क्षितीज प्रदान किया है। राज्य के सभी जिलों में सांस्कृतिक विविधता है। सांस्कृति विविधता के विविध आयामों ने देश के दायरे से निकलकर विदेशों में भी अपनी लोकप्रियता का परचम लहराया है। झारखंड राज्य अपनी खनिज एवं वन संपदा, प्राकृतिक सौन्दर्य, कला-संस्कृति की स्वर्णीम परंपरा से सराबोर है। यह क्षेत्र सरल जीवन शैली पर आधारित जनजातिय संस्कृति का केन्द्र रहा है। आज की मशीनी सभ्यता एवं उपभोक्ता संस्कृति की जटिल मानसिकता से अछूते यहां के गांवों के सरल सीधे लोग मांदर और नगाड़े की ताल पर दिन भर की परेशानी को भूल जीवन में आनंद की तलाश करते हैं।

कहते हैं झारखंड में चलना ही नृत्य एवं हंसना ही संगीत है। प्रकृति के सान्निध्य में रहने के कारण इस क्षेत्र के निवासियों का सौन्दर्य बोध तथा कला प्रेम अत्यंत प्रखर है। हृदय की प्रसन्नता की अभिव्यक्ति करने के लिए प्रत्येक रीति रिवाज और पर्व त्योहार के अवसर पर मांदर एवं नगाड़े की ताल पर उनके कदम थिरक उठते हैं।

बबीता कुमारी, व्याख्याता, रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गीतिलता

OBSESSION WITH AESTHETICISM

I am pretty sure that you have come across some contemporary trends of drinking green tea in a beautiful vintage cup with a saucer, painting the whole house white and furnishing it with real or faux wood and marble, wearing so-called aesthetic outfits that may have made a hole in your pocket, and pretending to live a luxurious life. People nowadays are obsessed with leading a lifestyle that appears to be luxurious. This luxury is associated with having a lot of ancestral property, inherited property, and money. This is referred to as “old money.” Folks at present display themselves as being very rich and elite, and belonging to a supremely upper-class family in society, possessing old money. They, especially on social media, showcase their old-money lifestyle, which may be fake. They are so obsessed with showing their so-called old-money aesthetic lifestyle that they are creating a society of people who are pressurizing themselves to live their lives in a certain ‘perfect’ way. They want to present their lives as a piece of art that is perfect and themed. To attain perfectionism, we must not sacrifice our peace, because perfectionism doesn’t exist. We should love ourselves the way we are. Not longing for aestheticism will drastically decrease pressure on individuals, society, and the production industries, which will ultimately lead to a better living environment.

Aishwarya Shree Karmakar, Assistant Professor (Dept. English),
Rambha College, Gitilata

सफलता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण

कभी गौर करें कि दिन भर में आप कितनी बार थैंक्स, शुक्रिया या धन्यवाद जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। याद नहीं आ रहा ना! वाकई यह थोड़ा मुश्किल है क्योंकि ऐसे शब्द हमारी भाषा शैली में सहजता से शामिल है, छोटी-छोटी बातों के लिए दूसरों को थैंक्स बोलना, नि:संदेह शालीनता की निशानी है लेकिन हमारे लिए यह याद रखना जरूरी है कि धन्यवाद महज एक औपचारिक शब्द भर नहीं है इसके साथ कृतज्ञता की पवित्र और कोमल भावना भी जुड़ी है जो कहने सुनने वाले लोगों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। सकारात्मकता वह शक्ति है जो हमारे विचारों, कार्यों और जीवन के प्रति दृष्टिकोण को गहराई से प्रभावित करती है। जब हम सकारात्मक सोच रखते हैं तो हम चुनौतियों को अवसर के रूप में देखते हैं। यह हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाती है, हमें चुनौतियों का सामना करने की हिम्मत देती है और हम अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहते हैं । इसके कारण ही हम बाधाओं को पार करने में सक्षम होते हैं। सकारात्मकता सफलता की एक महत्वपूर्ण कुंजी है। जब हम सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हैं तो हमारे विचार और कार्य दोनों ही उस दिशा में निर्देशित होते हैं जिससे हमें सफलता प्राप्त होती है। सकारात्मकता के साथ हमारा ऊर्जा और उत्साह भी बढ़ता है जो हमारे कार्यों में परिलक्षित होता है। किसी लक्ष्य को पाने का सबसे अच्छा तरीका ये है कि हम खुद को उसके योग्य बनाएं और मेरे विचार से जीवन में सकारात्मक सोच लाने का सबसे अच्छा तरीका यह है " हम अच्छी किताबें पढ़ें, अच्छे विचारों से अभिप्रेरित हों अच्छे लोगों से मिले और अच्छे दोस्त बनाएं" ।

मंजू गागराई, असिस्टेंट प्रोफेसर, रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गीतिलता

বই আমাদের সেরা বন্ধু

বই আমাদের সেরা বন্ধু এবং বিশ্ব সম্পর্কে জানার সেরা উপায়। আমরা আমাদের বড়দের কাছ থেকে দাদু-দিদার কাছ থেকে অনেক গল্প শুনেছি কিন্তু বর্তমানে কর্মব্যস্ততার কারণে বাবা-মা ও সন্তানের মধ্যেই পরিবার সীমাবদ্ধ হয়ে গেছে। বর্তমান পরিস্থিতিতে বই আমাদের সেরা বন্ধু হয়ে উঠেছে। বই হল বিশ্বের সবচেয়ে বড় জ্ঞান ও তথ্যের ভান্ডার। বই নানা সমস্যার সমাধান করতে সাহায্য করে। বই নামক বন্ধুটি কখনও আমাদের ছেড়ে যায় না। বিভিন্ন মহাপুরুষের জীবনী ও আত্মজীবনী জীবন পরিবর্তনকারী অভিজ্ঞতার কথা বলে। বই সৃজনশীলতার পাশাপাশি আমাদের শব্দ ভান্ডার বাড়াতে সাহায্য করে। বই পড়া সরাসরি দৃশ্যমান নয় , তাই পাঠকের কল্পনা শক্তিকে কাজে লাগাতে হয়। বই আমাদের ইতিবাচক মনোভাব গড়ে তুলতে সাহায্য করে। সুতরাং যদি আমরা বইকে প্রকৃত বন্ধু ভাবতে পারি তাহলে আমাদের সারা জীবনে প্রকৃত সাথী হতে পারে।

দীপালি মন্ডল, গ্রন্থাগারিক

रोचक तथ्य

• सपने में आने वाले हर एक face को हमने एक बार जरूर देखा होता है.
• एक समुद्री केकड़े का दिल उसके सिर में होता है.
• कुछ कीड़े भोजन ना मिलने पर खुद को ही खा जाते हैं.
• सिर्फ एक घंटा हेडफोन लगाने से हमारे कानो में जीवाणुयों की तादाद 700 गुना बढ़ जाती है.
• एक व्यक्ति बिना खाने के एक महीना रह सकता है पर बिना पानी के सिर्फ 7 दिन.
• ज्यादातर विज्ञापनो में घड़ी पर 10 बज कर 10 मिनट का समय दिखाया जाया जाता है.
• इतिहास में सबसे छोटा युद्ध 1896 में England और Zanzibar के बीच हुआ. जिसमें Zanzibar ने 38 मिनट बाद ही सरेंडर कर दिया था.
• हमारे शरीर में लोहा भी होता है इतना कि एक शरीर से प्राप्त लोहे से एक इंच की कील भी तैयार की जा सकती है।
• जिस हाथ से आप लिखते हैं, उसकी उंगलियों के नाखून ज्यादा तेजी से बढ़ते हैं।
• संस्कृत सभी उच्च भाषाओं की जननी माना जाता है. क्योंकि यह कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के लिए सबसे सटीक है, और इसलिए उपयुक्त भाषा है.
• चींटियाँ कभी सोती नहीं हैं.
• Octopus के तीन दिल होते हैं

मनीषा कुमारी, अनुशिक्षक (Dept. History), रंभा कॉलेज, गीतिलता

विश्व आदिवासी दिवस

एक तीर एक कमान
सारे आदिवासी प्रकृति के शान।
विश्व आदिवासी दिवस पर
विश्व की सारे आदिवासियों को हृदय की गहराई से सम्मान देती हूँ ।
नौ अगस्त को हर साल पूरी दुनिया में आदिवासी दिवस मनाया जाता हैं। विश्व
आदिवासी दिवस मनाने का उदेश्य विश्वभर की आदिवासी जातियों में जागरूकता लाना और उनके अधिकारों के संरक्षण
के लिए उन्हें प्रेरित करना हैं।

आदिवासी शब्द दो शब्दों
'आदि' और 'वासी' से मिलकर बना है और इसका अर्थ मूल निवासी होता है।
'' मुझे गर्व है कि मैं आदिवासी हूँ ,क्योकि मैं इस धरती की मूलवासी हूँ ''
इनकी अपनी संस्कृति और भाषा है।
हम आदिवासी किसी पर आश्रित नहीं ,हमारा अपना वजूद है ।
आदिवासी न तो आस्तिक है, ना तो नास्तिक है,ये वास्तविक हैं।
भारत के प्रमुख, आदिवासी समुदायों में हो, संथाल, मुंडा, खडिया, उरांत, परधान, जाट, गोंड, बोडों, भील, खासी, सहारिया, मीणा, बिरहोर पारथी, ओंध, टोकरे कोली, महादेव काली, मल्हार कोली, टाकणकार आदि शामिल हैं।
''इच्छाओं को त्यागकर ही जीवन सुखद बन पाता है,
जल जंगल-जमीन का प्रहरी
आदिवासी कहलाता हैं।

बसंती तियु, असिस्टेंट लेक्चरर, रंभा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, गीतिलता

INNOVATIONS IN MENTAL HEALTH NURSING: TECHNOLOGY&BEYOND

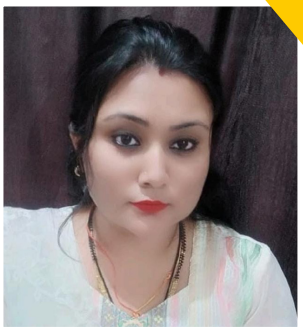

Mental health nursing is witnessing transformative changes driven by innovations that are changes driven by innovation that are reshaping how care is delivered these advancement are crucial as mental health issues rise and the demand for accessible effective care increases Telehealth has emerged as a game-changer allowing mental health nurse to provide care to patients regardless of location Through video consultations and online platforms nurses can offer support, treatment to individuals who might otherwise struggle to access mental health services virtual reality (VR) is also making strides in mental health nursing particularly in treating conditions like anxiety and PTSD.VR provides immersive experiences that help patients confront and manage their fears in a controlled environment guided by nurse As these technologies envolve, mental health nurses are leading the way in integrating them into practice These innovations represent the future of mental health nursing, where technology and empathy go hand in hand

Pooja Lohar, Lecturer, Rambha College of Nursing

“THE HEALING HANDS OF COMPASSION “: MOTHER TERESA’S IMPACT ON INDIAN NURSING

Mother Teresa’s influence Indian nursing is a testament to the power of compassionate care. By founding the missionaries of charity in 1950,she established a network of caregivers dedicated to serving the most vulnerable those abandoned by society ,suffering from terminal illness, or living in extreme poverty. Her approach was revolutionary, placing love and empathy at the forefront of healthcare.

Mother Teresa’s influence encouraged nurses to see beyond the physical ailments of their patients, emphasizing the importance of emotional and spiritual care. She advocated for treating patient with same respect and kindness one would offer a family member ,fostering a culture of empathy in healthcare settings . This compassionate approach has left an indelible mark on Indian nursing .

Inspiring a generation of caregiver to uphold the values of love, respect and dignity in their practice. Her legacy continues to influence Indian nursing, as the principle of compassion, respect, and empathy.

Namani Bhuinya , Tutor, Rambha College of Nursing

IMAPCT OF COVID -19 ON EDUCATION SYSTEM

The COVID-19 pandemic has caused drastic changes across the globe, affecting all areas of life, including education. In India, educational institutions such as schools, colleges, and universities have traditionally relied on face-to-face classroom lectures. The sudden outbreak of the deadly disease COVID-19, disrupted education on an unprecedented scale. Students were forced to stop attending schools and colleges, bringing all educational activities to a halt in India. Online education system acted as a catalyst for educational institutions to grow and adopt platforms and technologies that had not been widely used before. The situation challenged the global education system and forced educators to shift to an online mode of teaching almost overnigh. This sudden shift to online teaching significantly impacted students’ lives. Some students lost interest in their studies, and others became completely disconnected from the education system, particularly in rural areas where access to communication devices such as smartphones is limited. Teachers in these areas struggled to connect with their students during lockdowns, leading to a setback in the education system and further distancing students from their education.

Deepika Mahato , Tutor, Rambha College of Pharmacy

स्वच्छंद झरना

न रोक सका पहाड़-पर्वत भी,
रास्ते बनाता गया स्वच्छंद झरना।

पहाड़ों से गिर कर भी,
मधुर स्वर बिखेरता गया स्वच्छंद झरना।

अपनी धुन में चलता हुआ भी,
शीतलता लुटाता गया स्वच्छंद झरना।

चट्टानों की दुर्गम पथ पर भी,
राह निकालता गया स्वच्छंद झरना।

अरण्य से गुजरते हुए भी,
जीवन बहाता गया स्वच्छंद झरना।

Nagishri purty, B.Ed semester-2 (2023-2025)

आजादी का जश्न

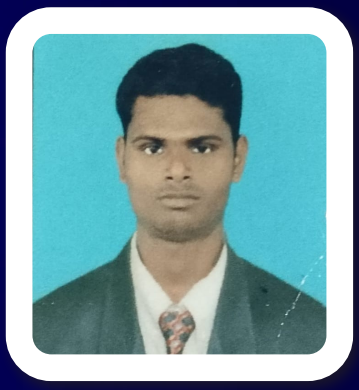

यह दिन है बड़ा अनोखा
इस दिन मिला आज़ाद झरोखा ।

याद आई वे कुर्बानियां
जो है क्रांतिकारियों की निशानियां
बहा है खून उन वीरों के
मिली आजादी जंजीरों से ।

हम तिरंगा लहराते हैं
वीरों के गुण को गाते हैं।
आंखों में आंसू आते हैं
स्वतंत्रता का जश्न मनाते हैं ।

आओ बनाएं वह भारत
जहां रहे ना कोई निरक्षर
सबको मिले एक सा अवसर

अमन का कारवां चलाएं हम
प्रगति पर कदम बढ़ाए हम

यह दिन है बड़ा अनोखा
इस दिन मिला आजाद झरोखा।

Gopal Das, B.Ed semester-2 (2023-2025)

हम सफलता को कैसे भापते हैं ?

असली सफलता किसी काम को अच्छी तरह करने और अपने लक्ष्य को हासिल करने के अहसास से मापी जाती हैं।
सफलता इस बात से नहीं मापी जाती कि हमने जिंदगी में कौन-सा ओहदा हासिल किया है, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि हम ने वह मुकाम कितनी रूकावटों को दूर करके हासिल किया हैं। सफलता इस बात से भी नहीं मापी जाती कि हम जिंदगी में दूसरें लोगों की तुलना में कैसी उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि हम अपनी क्षमताओं की तुलना में कितनी उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं। सफल लोग अपने खुद का रिकार्ड बेहतर बनाते है, और उसमें लगातार सुधार लाते रहते हैं। सफलता इस बात से नहीं मापी जाती कि हमने जिंदगी में कितनी ऊँचाई हासिल की है, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि हम कितनी बार गिर कर उठे हैं। सफलता का आंकलन गिर कर उठने की क्षमता से ही किया जाता हैं?

Vijay Kumar, B.Sc Nursing, 1st Semester (2023-27)

(वजूद) ए नर्स

नर्स के बिना हॉस्पीटल का वजूद क्या,
हाथों में थामें हर दर्द की सुई
मरीजों का ख्याल रखती है नर्स
अपनी फिक्र न करके सबकी फिक्र करती हैं नर्स
मीठी बोल व मुस्कान लिए
हर रोग के दर्द को हर लेती है नर्स
सब भेद-भाव भुलाकर
सब के दर्द को तौल लेती हैं नर्स
उनके होसलों के आगे कोई भी
नर्ज है टिकी कहाँ, उसमें भी
उम्मीदों की किरण ले आती है नर्स
लोग भूल रहे है रिश्ते नाते, आज कल
एक नये रिश्ते बनाती है, इस युग में नर्स

Anjali Kumari, B.Sc Nursing, 1st Semester (2023-27)

[illegible] सप्ताह के नाम

	वराङ. क्षिति	हो	हिंदी
1.	[illegible]	सुमिहर	सोमवार
2.	[illegible]	मुङ•गाडुहर	मंगलवार
3.	[illegible]	बुडुहर	बुधवार
4.	[illegible]	गुराहर	गुरूवार
5.	[illegible]	षुकराहर	शुक्रवार
6.	[illegible]	शनिहर	शनिवार
7.	[illegible]	रुइहर	रविवार

नाम - सुशीला सुन्डी

कलास - B.Ed 2nd Semester

क्रमांक - 65

सत्र - 2023-2025

एकटा गाछे दुइटि चेंरेइ

एकटा गाछे दुइटी चेंरेइ,
दसरटिअ उड़िजाइ एकटि उड़ि गेलेइ।
मनखुसिञ थाकत बसि आत उड़ि मन हेलेइ॥
आठटि डाइर दुइटि फर
दसटा पाते गाछ हरिहर
करम कापाड़ गुने गिरेइ, एकटि तर हँथेइ।
एकटा गाछे दुइटी चेंरेइ॥

तिनटा सिकड़ सातटा बाकला
चाइरटा रसे भुला-चला
एक सिकड़उ आहेक गाछ, चिनभे ठुँकलेइ।
एकटा गाछे दुइटी चेंरेइ॥

छठा धँचर नटा जे भाइ भुलुक
पाँच पाँचिरे अनन्तकर हुलुक-बुलुक
गिरेइक गाछ ढाँइड़ चेंरेइटिअ गाछ के छाड़ि देलेइ।
एकटा गाछे दुइटी चेंरेइ॥

Name - Rajshree Mahato
Roll no - 48
Session - 2023-25

ᱯᱟᱨᱥᱤ ᱥᱮᱪᱮᱫ

᱑ ᱢᱩᱞᱟ ᱦᱱᱥᱩᱫ ᱞᱩᱨᱣᱟ
ᱢᱩᱡ-ᱠᱟ ᱞᱟᱨ ᱚᱟᱣᱮᱠᱟᱢ
ᱚᱟᱣᱮ ᱠᱟᱢᱟ
ᱯᱮ - ᱯᱮᱜᱮᱦ ᱥᱟᱹᱱ
ᱡᱜᱩᱫ ᱦᱩᱹᱨᱟ ᱾

᱒ ᱱᱫ ᱹᱱᱢ ᱟᱨᱩ ᱞᱟᱞᱟ
ᱣᱟᱹᱥ - ᱣᱟᱹᱥᱯᱱ ᱦᱮᱥᱮ.
ᱠᱟᱹᱱᱟᱫ ᱥᱱᱹᱟᱫ ᱦᱟᱹᱮ
ᱵᱟᱢᱟᱫ ᱢᱩᱛᱟ. ᱾

᱓ ᱞᱟᱫ ᱢᱭᱨᱣᱟᱹ ᱠᱱᱢᱟ
ᱢᱱᱫ ᱹᱱᱢ ᱢᱟᱨᱩ ᱞᱟᱞᱩ
ᱞᱟᱫ ᱢᱭᱨᱣᱟᱹ ᱚᱱᱨᱭᱜ
ᱵᱟᱢᱟᱫ ᱢᱩᱛᱟ. ᱾

Name - Puja Hembrom
Roll no - 77
Class - B.Ed Semester - II
Session - 2023 - 2025

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

[illegible]
[illegible] ।
[illegible]
[illegible] ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible] ।
[illegible] ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ।
[illegible] ॥

[illegible]

बेटी हूँ, माँ बोझ नहीं हूँ

मैं बेटी हूँ, माँ बोझ नहीं हूँ,
मुझे कोख में ना मारो तुम,
इस दुनिया को समझाओं ना माँ ,
इस संसार के बगीचे की फूल हूँ मैं ,
जन्म लेने दो ना माँ,
इस दुनिया की खूबसूरती को देखने दो ना,
बोझ समझकर ना मारो तुम ,
मैं बेटी हूँ, माँ बोझ नहीं हूँ।

पढ़ लिखकर मैं भी अफसर बनूंगी,
इस संसार में अपना पहचान बनाऊगी,
मेरे पंखों को मत काटों माँ ,
मैं भी उड़ना चाहती हूँ,
मेरे पैरो पर बेड़ी मत बांधो ना ,
मैं बेटी हूँ, माँ बोझ नहीं हूँ।

तेरे आँगन में खेलना हैं मुझे,
माँ तेरे आँचल में पलना है मुझे ,
घर आँगन में खुशियाँ लाऊगी,
मैं बेटी हुँ, माँ बोझ नहीं हूँ।

प्रियंका दास , बीएड सेकंड सेमेस्टर (2023-25)

THE BACKBONE OF HEALTHCARE IDENTITY OF NURSES;

Nursing is a vocation that entails compassion and the acts of healing, supporting, and teaching that start from the very beginning of life to the end of it. Nurses are major players in healthcare and are serving the community in respect of patient assessment, management, and recovery. They work in close collaboration with other healthcare professionals such as physicians, therapists, etc. to deliver comprehensive healthcare. This comprises, not only the biomedical but also the mental as well as emotional health to the patients.One of the reasons is that nurses obtain new skills every time because there have been major changes in technology and medicine. They function in a hospital treating sickness in both children and adults. Besides knowledge in the field of medicine, empathy and good communication skills are important in building trust between nurses or doctors and patients.The truth is that nursing is not only a task but also a call, which demands the dedication and enthusiasm necessary for taking care of individuals from all walks of life. The fact that they are the ones that are actually caring and working on the real side of nursing is the reason why they are impacting so many more individuals time.

Sachin Kumar Mishra, B.Sc Nursing, 1st Semester (2023-27)

SANTHALI PARSI

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] 2026

NAME :- DULARI MARDI
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] :- 202[illegible] - 2026

UNSEEN BONDS

In the gentle light of morning's rise,
I see the world through your kind eyes.
A friend like you, so rare to find,
A heart of gold, a brilliant mind.

Through life's winding, rocky road,
You've helped me carry every load.
In laughter bright and tears we've shed,

You've been the rock on which I've tread.

When clouds of doubt begin to form,
Your voice, it calms the fiercest storm.
A hand to hold, a steady guide,
In you, dear friend, I can confide.

No need for words, no grand display,
Just simple acts in a heartfelt way.
In every smile and every tear,
You prove that true friends are sincere.

Time may pass, and seasons change,
Yet our friendship will remain.
Though miles apart, or side by side,
Our spirits are forever tied.

So here's to you, my treasured friend,
On whom I know I can depend.
In every joy, in every strife,
You are the sunshine of my life.

For in this world of endless spin,
A friend like you is a precious win.
Together, we'll face whatever comes,
United hearts, beating as one.

Taniya mit , B.ED(2nd semester), (2023-25)

TIMELESS GUIDANCE: LORD KRISHNA'S MESSAGE IN BHAGWAD GEETA TO THE CONTEMPORARY GENERATIONS.

Message that Lord Krishna gave us in the Bhagwad Geeta, not taken from any holy scriptures but in the words of an ordinary girl-

"Look Arjun, rise, grab your weapons again, fight for it. Don't get disheartened thinking about the outcome. Everyone is born and everyone dies. I have killed them all before you will kill them and I am the one who gave them life. What do you see in front of you, your family members, your loved ones. You are tied with the illusions and attachments which is preventing you from working. But you have to work irrespective of the outcome. Remember work is worship and change is inevitable and it's bound to happen. Get hold of your swords and fight for the right. Sacrifice your maya and illusions. Everyone leaves eventually in the end. No one stays. It's only you and YOU who was/is/will be there for you. So work on your goals, sacrifice your love and attachments. You will create a new world for millions of ppl, just like we leave our old clothes and put on our new ones. Yes, Arjun don't feel dejected. Work is above all, work is for all. Sacrifice is meant to be done. Don't look back at the past,look at the present. Don't look upon who stayed and who left, just look at your goals."

The analysis of Lord Krishna-
Connecting the lines of Bhagwad Geeta with the contemporary world.
The generation still awaits for the Lord who will guide Arjun to the right path.
The generation still awaits for the Lord who will save Draupadi from being disrobed.
The generation still awaits for the Lord who will stand by the unprivileged.
The generation still awaits for the Lord who will establish Dharma when Adharma rules.

Today's generation is still in pursuit of Lord Krishna. Will he arrive to save the poor? Or the question lies in the destiny, an answer in the blank space?
The only thing which remains is the lines, which still rings in the ears, that can save us from the turmoils, a helping hand that can drag us from the darkness to the brightness.

Anoushka Biswas, B.ED, 2nd semester, (2023-25)

पंचपरगनिया - लोकगीत बिहा गीत - लगन बंधन

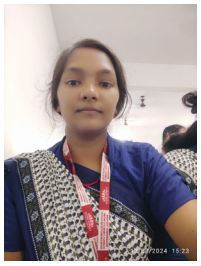

(1) चाइरो कना पखइर टी माँ
फूटे रे सालूकेर फूल ।
सालुक फूले लगनो धराएँ ।

(2) आइसो रे कुटुम्बमेर बेटा ।
बइसों बीधी साले गो ।
बीधी साले लगनों धरास ।

(3) बीधी साले माँयो नाय गो ।
ओ बीधी साले बापो नाई ।
बीधी साले लगोनो धराएँ ।

(4) कन फूले लगन माँ गो ।
कनों फूले बिहा गो ।
कनो फूले हवतो बिदाई ... 2
सालुक फूले लगन माँ गो ।
आकन फूले बिहा गो ।
पारास फूले हवतो बिदाई ... 2

नाम - संगीता कुमारी
कलास - B.ed
रोल नं० 21
सेसन - 2023-25

ENTREPRENEURSHIP

Entrepreneurship is a process where an entrepreneur transforms an idea into an enterprise. This involves innovating and taking risks to build a successful business. An entrepreneur is a visionary and innovator, not afraid of taking risks, and possesses leadership qualities, resourcefulness, resilience, and strategic planning skills. They must also understand their social responsibility.

The process of entrepreneurship begins with identifying what one wants to achieve, seizing opportunities for profit, and developing unique ideas for growth. However, several myths surround entrepreneurship. In India, common misconceptions include the belief that the government is inadequate in supporting bright ideas and that only privileged individuals can succeed. Ritesh Agarwal, founder of Oyo Hotels, disproves these myths by demonstrating that success is possible regardless of one's background, given a unique idea and government support.

Entrepreneurship has both advantages and disadvantages. Advantages include total freedom, flexibility, and the excitement of adventure. On the other hand, entrepreneurs face risks and must deal with business instability periodically.

The need for entrepreneurship is significant as government sectors alone do not create enough jobs. The private sector, driven by entrepreneurship, plays a crucial role in job creation. In India, fostering entrepreneurship can provide youth with diverse job opportunities, addressing the current demand for employment.

RajDeep Raj Mahato, BBA Department Sem 2, (2023-27)

वक्त

वक्त है महान ये
वक्त ये बताएगा ,
वक्त ने गिराया है
तो वक्त ही उठाएगा ॥

वक्त ने दिया भी है
तो वक्त ही ले जायेगा
वक्त ने सिखाया भी है,
तो वक्त ही और सिखाएगा ॥

वक्त ने बिगाड़ा है जो,
वो वक्त ही बनाएगा ॥

वक्त ही मिला है तुझे
तो वक्त ही गंवायेगा ।
तू थाम हाथ वक्त का
बस ये ही साथ निभायेगा ।

राखी झा , बी. एड., सत्र : 21-23

एक 'स्त्री'

साँस ले रहे हैं हम, यूँ ही जिंदगी जी रहे हैं हम ।
कहाँ भटक गए हैं हम, बस यूँ ही चल रहें हैं हम ।
जीवन का है नहीं पता, अब नहीं किसी से भी खफा ॥
रोशनी की चाह में मंजिल की तलाश में
डूबते ही जा रहे, घोर अंधेरों की पनाह में ॥
बढ़ रहे हैं आस में, अपने हक की प्रयास में, कोई तो खड़ा
हो जाए हमारे जीवन के साथ में ॥
वक्त की मार ने कहाँ पहुँचा दिया हमें।
गार्गी, अनुसूया, लक्ष्मी से, क्या बना दिया हमें ॥
अब बस करो, बहुत हुआ, सह लिया अन्याय हमने ।
अब किसी को भी हम पर, अपनी न थोपने देंगें॥
हम वही करेंगे जो हमारी चाह होगी ।
हर स्त्री की 'दुर्गा' अब पहचान होगी ॥

नम्रता प्रधान (Alumni)

Technology (टैकनोलजी)

टेक्नोलॉजी (Technology) यानी प्रौद्योगिकी का मतलब है किसी प्रोडक्ट का निर्माण, उसके लिए जरूरी तकनीक, हुनर यानी स्किल, निर्माण का तरीका और प्रक्रिया यानी प्रोसेस. टेक्नोलॉजी के तहत दरअसल विज्ञान का कई तरह से उपयोग होता है. यह उपयोग अच्छे या बुरे किसी भी उद्देश्य के लिए किया जाता है.

टेक्नोलॉजी दरअसल नॉलेज का एप्लीकेशन है जिसका इस्तेमाल करके आम और खास जीवन में बार-बार उपयोग में आने वाले लक्ष्यों को हासिल किया जाता है. टेक्नोलॉजी का उपयोग करके बर्तन, मशीन या उपकरण जैसे दिखाई देने वाली चीजों के अलावा सॉफ्टवेयर जैसे न दिखने वाली चीजों का भी निर्माण किया जाता है. प्रौद्योगिकी विज्ञान, इंजीनियरिंग और रोजमर्रा की जिंदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

टेक्नोलॉजी ने समाज में महत्वपूर्ण परिवर्तन भी किए हैं. कांस्य युग में पहिए के आविष्कार ने यात्रा और जटिल मशीनों के निर्माण की शुरुआत रही थी. प्रिंटिंग प्रेस, टेलीफोन और इंटरनेट सहित हाल के तकनीकी sआविष्कारों ने संचार बेहतर किया है.

एक तरफ टेक्नोलॉजी में जहां देश दुनिया को तरक्की का नया आयाम प्रदान किया है और मानव जीवन को विकास की एक नई दिशा दी है तो दूसरी तरफ या मानव के स्वास्थ्य के लिए भी बेहद खतरनाक है। इसलिए हम सभी को टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बेहद जरूरत के वक्त ही करना चाहिए।

संदीप सिंह , बी. एड., सत्र : 20-22

TIMELESS GUIDANCE: LORD KRISHNA'S MESSAGE IN BHAGWAD GEETA TO THE CONTEMPORARY GENERATIONS.

In India, people with severe mental illnesses often turn to temples and shrines, not to doctors.
The foremost reason for India to lose its mental health is the lack of awareness and sensitivity about the issue. There is a big stigma around people suffering from any kind of mental health issues. They are often tagged as "lunatics", "crazy", "possessed" and many more by society. This leads to a vicious cycle of shame, suffering and isolation of the patients.
India is a developing country. Healthcare infrastructure is not yet completely developed and everyone cannot get cost effective treatment. Getting treatment for physical problems is naturally a top priority as it incapacitates the person. Since people have limited finances, physical problems are given preference and mental issues take a back seat as it's impact is not as visible as physical issues. There is a lack of education and awareness about mental health. People consider mental issues as taboo and they try to hide them. They don't discuss it openly with others and feel low and a sense of guilt for suffering from mental illness. Person suffering from Mental health issues is seen as a mad man deserving mental asylum. We have been living in joint large families and mental health issues were very less. Levels of stress, anxiety and depression were quite few because people felt connected with their families, villages and societies. As the world has modernized, we have been moving to nuclear families and social connections have been broken. Stress to earn more, have more and be better than others have increased. That has caused an increase in cases of mental health problems.
Governments, NGOs and other social institutes need to start educating about mental health issues and remove the misconceptions attached with it. They have done this successfully for diseases like polio, leprosy, HIV, Typhoid etc.

Megh mala Roy, Alumni, Session- 2021-2023

तफ्सीनीयत

आजादी, मुकम्मल आजादी
मिल ही गई आखिर,
तुम देखो।

कितना अच्छा देश , कितना अच्छा वेश
उन्नति, प्रगति हो गई ,
तुम देखो।

रंगीन,सांस्कृतिक , अभिव्यंजना, तीन रंग
सब कुछ गोरा, सफेद हुआ , तुम देखो।

मंदिर, मस्जिद, गिरिजा, मजार सब हुआ
मानव की मानवता ????, तुम देखो।

स्त्री प्यास, मर्द जरूरत, ढोंग आदत
रोटी,कपड़ा, मकान सबको मिला,
तुम देखो।

ऊंचे रंगीन महलों, भवनों की नंगी वीरान दुनिया
मान, मर्यादा, पुरूषोत्तम की धरती,
तुम देखो।

आजादी, मुकम्मल आजादी
मिल ही गई आखिर,
तुम देखो ।।

गणेश साहू (Alumni), डी एल एड - 2021-23

A Letter to My-Self

I know things may seems tough
And the world may feel overwhelming by making your way more difficult and unbearable..

The more you cry ,
The more they laugh ,
The more you fail,
The more they enjoy.

But trust me, you are strong Than you think.
you will get through this
And come out even more stronger.

The more struggle ,
The more enjoyable it is to achieve Success.

Be kind to yourself
And even to your Foes. Remember that ,
you will have to create your own story.

Keep dreaming big
And workhard
Only your passion and dedication will take you far.

Surround yourself with good thought
Embrace yourself,
And love the way you Are.

Don't be afraid ,
Because God is with you.
Do your best not for only yourself but for the sake of family who is eagerly waiting for your Success.

"I am proud of her"
"I knew she will do it "
"she was my student"
 - Are the words ..is what my ears wants to listen.

Oneday every stone thrown to you,
Will become a stepping stone in your way.
Every gossip stories of yours Will become a motivational story that day.

So Don't worry !
You worth and value
Will come oneday.
The hands pointing on you will be raised to applaud one day.

Just keep going
And Believe in yourself
Because you know
You can Do,
What you want to Do.

Akancha khalkho, Alumni, B.Ed 2021-2023

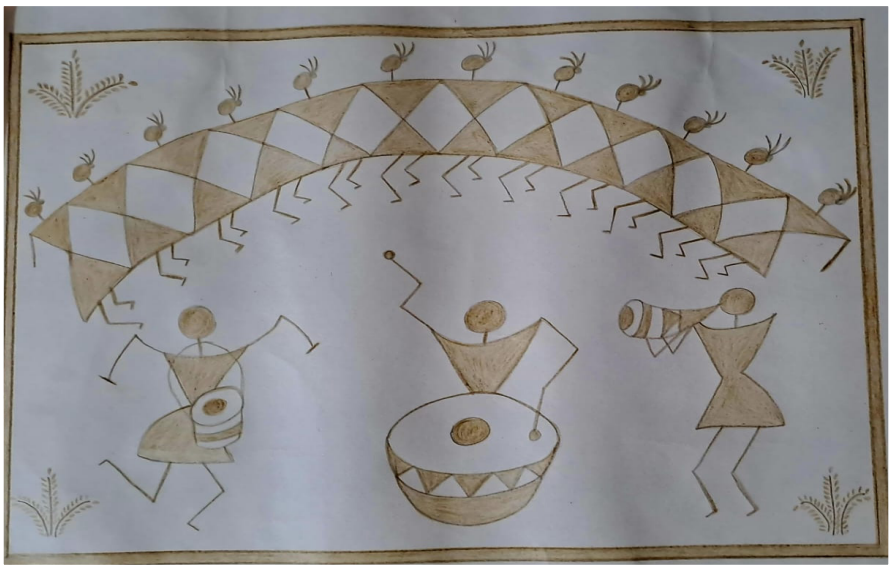

Dosma Diggi

Sudipti Pradhan

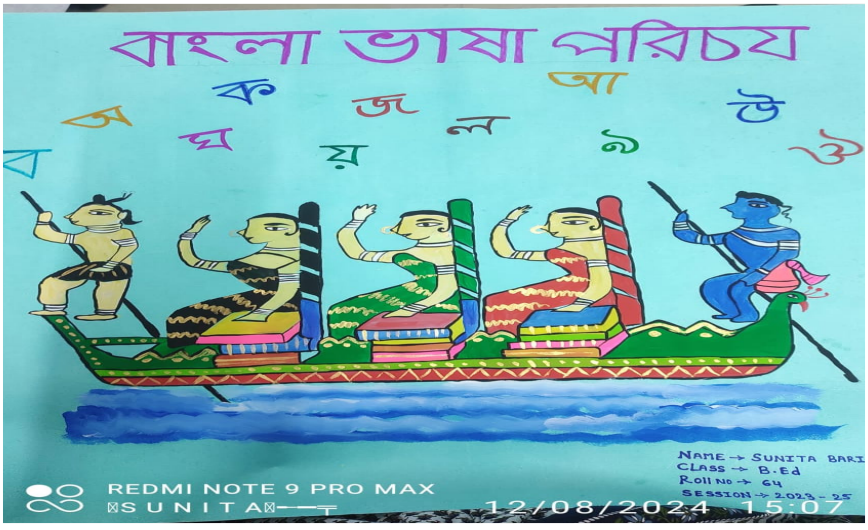

Sunita Bari

Alisha Pradhan

Admission Open

B.Sc.NURSING
GNM | ANM

BBA | BCA | B.Sc.IT
B.COM | B.A

B.Ed | D.El.Ed

D.PHARM

योग आत्मनियंत्रण का श्रेष्ठ माध्यम, सभी नियमित करें

योगाभ्यास करते विद्यार्थी व अन्य.

- गितीलता स्थित रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, रंभा नर्सिंग कॉलेज की ओर से योग दिवस मना

पोटका. तेंतला पंचायत के गितीलता स्थित रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन और रंभा कॉलेज, रंभा नर्सिंग कॉलेज की ओर से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना. इसमें सभी विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी व्याख्याताओं ने भी योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास किया. व्याख्याता रश्मि लुगून, व्याख्याता सुमनलता और छात्र विकास भगत के द्वारा सभी को अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी आदि का अभ्यास कराया गया. साथ ही योग और संगीत का मानसिक स्वास्थ्य में क्या योगदान है, इस विषय पर एक वेबिनार का आयोजन भी किया गया. जिसमें अतिथि वक्ता मथुरा के डॉ राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल रजक थे. उन्होंने बताया कि योग एक नाद है और आत्मनियंत्रण का श्रेष्ठ माध्यम है. योग और संगीत के आपसी संबंध पर भी गहनता से प्रकाश डाला. डॉ अनिता शर्मा ने कहा कि योग का अभ्यास कर विद्यार्थी स्वयं को अवसाद से दूर रख सकते हैं और साथ ही उनके व्यक्तित्व में संतुलन भी बना रह सकता है. यह कार्यक्रम कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में आयोजित किया गया था. कॉलेज के चेयरमैन रामबचन भी उपस्थित थे.

दैनिक भास्कर

जमशेदपुर 04-03-2023

वितरण किया गया। | अखंड महामंत्र नामयज्ञ कार्यक्रम

नैक और फैकल्टी स्टूडेंट एक्सचेंज आधारित नेशनल सेमिनार

पोटका। रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन के द्वारा नैक और फैकल्टी स्टूडेंट एक्सचेंज आधारित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार में आज पहले दिन राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद के विभिन्न दिशा निर्देश और प्रतिमानों के विषय में विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर "की नोट स्पीकर" डॉ दिलीप मंगराज, वीमेंस यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और शिक्षा संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ संजय भुईया, कोल्हान विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मनोज कुमार, वीमेंस यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सुशील तिवारी और सरायकेला के समाज सेवी शैलेंद्र कुमार सिंह , कॉलेज के चेयरमैन श्री राम बचन, सचिव गौरव कुमार बचन, बीएड के प्राचार्य डॉक्टर संतोष कुमार और डिग्री की प्राचार्या डॉक्टर कल्याणी कबीर की उपस्थिति रही।

रंभा कॉलेज में किया औषधीय पौधरोपण

जमशेदपुर, 28 जुलाई : रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन परिसर में औषधीय उद्यान का शुभारंभ हुआ. इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन राम बचन, सचिव गौरव बचन, प्राचार्या डा. कल्याणी कबीर के साथ-साथ सभी व्याख्याता उपस्थित थे. इस औषधीय पौधरोपण का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अंतर्गत किया गया, जिसे प्रोग्राम ऑफिसर डा. भूपेश चांद ने आयोजित किया. यह विचार किया गया कि कॉलेज के विद्यार्थी हर पौधे को गोद लेकर उसकी सेवा करेंगे. इस अवसर पर पत्थरचट्टा, गिलॉय, वन तुलसी, लेमन ग्रास, इंसुलिन, एलोविरा आदि पौधे लगाये गये.

मातृ दिवस समारोह में मां पर गीत-संगीत की प्रस्तुति

रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन

जमशेदपुर, 13 मई (रिपोर्टर) : रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आज मातृ दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें अतिथि के तौर पर कॉलेज के चेयरमैन राम बचन, सचिव गौरव बचन, बी. एड के प्राचार्य डा. संतोष कुमार और डिग्री की प्राचार्या डा. कल्याणी कबीर उपस्थित थीं. हिंदी और अंग्रेजी कविता के माध्यम से क्रमशः गीता होंगुआ और सरिता पूर्ति ने मातृ प्रेम और महत्व को दर्शाया. नंदी और छात्रों की टोली ने समूह गीत प्रस्तुत किया. कांदरी महाली ने 'माई तेरी चुनरिया लहराई' गीत प्रस्तुत किया. छात्र जनार्दन महतो ने पारिवारिक मूल्यों पर बल देते हुए वृद्धाश्रम बंद करने का संदेश दिया. नमिता मुर्मू और शंकरी गगराई ने समवेत स्वर में गायन किया. अरविंद और छात्र समूह ने नृत्य की प्रस्तुति दी. सलोनी और समूह ने नृत्य प्रस्तुत किया. स्नेहा विश्वकर्मा ने भी परिवार में माता की भूमिका और जिम्मेदारी का बखान करते हुए गीत प्रस्तुत किया. डीएलएड के छात्र रोहित ने भी अपनी प्रस्तुति दी. कार्यक्रम का संचालन कंचन बिरूवा और लीलिमा भगत ने किया. छात्रा सलोनी देवगम और पूजा कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर थीं. धन्यवाद ज्ञापन जनार्दन महतो ने किया.

रंभा शैक्षणिक समूह में मना आदिवासी दिवस

जमशेदपुर, 10 अगस्त (रिपोर्टर) : रंभा शैक्षणिक संस्थान समूह में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया, जिसमें वनवासी परंपरा के अनुसार अतिथियों का स्वागत किया गया. समारोह के मुख्य अतिथि कॉलेज के चेयरमैन रामबचन थे. मौके पर रामबचन और प्राचार्या डा. कल्याणी कबीर को पौधा देकर स्वागत किया गया.

असिस्टेंट प्रोफेसर मंजू गगराई ने आदिवासी जीवन के बारे में जानकारी दी. आदिवासी संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए बी. एड और नर्सिंग के विद्यार्थियों ने गीत-नृत्य की प्रस्तुति की. संताली नृत्य और हो भाषा की कविता ने सबका मन मोह लिया. आदिवासी पारंपरिक परिधान में फैशन शो का भी आयोजन हुआ. कार्यक्रम का संचालन दुसमा, नागेश्री और सुशीला जबकि धन्यवाद ज्ञापन सुशीला सुंडी ने किया.

रंभा शैक्षणिक संस्थान परिसर में आज रुद्राभिषेक पूजा का आयोजन

राष्ट्र संवाद संवाददाता | जमशेदपुर

रंभा शैक्षणिक संस्थान परिसर में आज रुद्राभिषेक पूजा का आयोजन किया गया ।इस पूजा में सभी लोगों के सुख और समृद्धि की कामना की गई। पूजा का आयोजन महाविद्यालय के प्रबंधन समिति की ओर से किया गया था। चेयरमैन श्री राम बचन ,सचिव गौरव बचन , अध्यक्ष रंभा देवी इस अनुष्ठान में शामिल हुए। रूद्राभिषेक अनुष्ठान में बी एड, डी एल एड, स्नातक, नर्सिंग, ए एन एम , जी एन एम और आई टी आई के सभी फैकल्टी और विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस पूजा में महाविद्यालय के शुभचिंतक और मित्रगण भी शामिल रहे। प्राचार्या डॉक्टर कल्याणी कबीर के साथ-साथ सभी व्याख्याता गण और विद्यार्थी गण ने इस पूजा अनुष्ठान में सक्रिय और सहयोगी भूमिका निभाई। चेयरमैन रामबचन जी ने कहा कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों को नैतिकता और मूल्य परक शिक्षा देने के लिए समय-समय पर पूजा अनुष्ठान इत्यादि का आयोजन किया जाता है। पूजा के पश्चात सभी लोगों के बीच प्रसाद और खिचड़ी भोग का वितरण किया गया। इस अनुष्ठान में भारतीय आजाद सेना , पूर्वी सिंहभूम के सभी सदस्य और लायंस क्लब के भी गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

RAMBHA GROUP
OF INSTITUTION

विद्यैव सर्वधनम्

GITILATA, JAMSHEDPUR